

वैश्विक वित्तीय संकट (जीएफसी) के बाद विभिन्न विनियामकीय और समष्टि-विवेकपूर्ण सुधारों के कार्यान्वयन की वजह से वैश्विक बैंकिंग क्षेत्र 2021 और 2022 में अब तक वित्तीय रूप से मजबूत रहा है। शीर्ष 100 बैंकों ने स्वस्थ पूंजी बफर बनाए रखा, जबकि उनकी लाभप्रदता में सुधार हुआ। हालांकि, हाल की अवधि में मौद्रिक नीति को आक्रामक रूप से सख्त करने से वैश्विक बैंकिंग प्रणाली के लिए जोखिम पैदा हो गया है, जिसने वित्तीय स्थितियों को और अधिक कठिन बना दिया है। मध्यम अवधि की चुनौतियों में वित्तीय क्षेत्र में तकनीकी नवोन्मेषों का प्रभावी विनियमन और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न जोखिम शामिल हैं।

1. भूमिका

11.1 यूरोप में युद्ध और वैश्विक मुद्रास्फीति में वृद्धि के कारण समकालिक और अग्र-प्रयुक्त मौद्रिक नीति सख्ती की वजह से अभूतपूर्व नीतिगत प्रोत्साहन और टीकाकरण की तीव्र गति के कारण वर्ष 2021 वाली वैश्विक बहाली को बनाए रखने की संभावनाएं मंद हो गई हैं। सन्निकट मुद्रास्फीति परिदृश्य के बारे में लगातार चिंता बने रहने से प्रवर्धित बाजार अस्थिरता वित्तीय स्थिरता संबंधी जोखिम को बढ़ा रही है। ज्यादा पूंजी और चलनिधि बफर ने बैंकों और वित्तीय संस्थाओं को सुदृढ़ और स्थिर रहने में मदद की है। फिर भी, दुनिया भर में वैश्विक मंदी की आशंका बढ़ गई है। इन कारकों की वजह से उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में पूंजी के बहिर्वाह में वृद्धि, विनिमय दरों में तेज मूल्यहास, आरक्षित निधि में कमी हुई है और समष्टि-आर्थिक संभावनाएं क्षीण हो गई हैं।

11.2 वैश्विक वित्तीय संकट (जीएफसी) के बाद से बनाए गए पूंजी बफर की बदौलत वैश्विक बैंकिंग क्षेत्र ने महामारी के आघातों का अच्छी तरह से सामना किया और महामारी के प्रभाव को कम करने में इसे विभिन्न विनियामकीय छूट का सहारा मिला। हालांकि, भू-राजनीतिक और महामारी से संबंधित चिंताओं के कारण तेजी से बदलते वैश्विक समष्टि-आर्थिक माहौल में बैंकिंग क्षेत्र को बढ़ती ब्याज दरों और कर्ज चुकौती बोझ में संभावित वृद्धि से उत्पन्न नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

न्यून राजकोषीय आय, बढ़ती चूक की संभावना और लाभप्रदता बिगड़ने से कमजोर आर्थिक परिदृश्य के प्रतिक्रियास्वरूप ऋण मांग - जो काफी हद तक प्रतिक्रिय है - के दबे रहने की संभावना है।

11.3 इस पृष्ठभूमि में इस अध्याय को पाँच खंडों में विभाजित किया गया है। खंड 2 में वैश्विक समष्टि-वित्तीय स्थितियों का विहंगावलोकन दिया गया है। खंड 3 में हाल की वैश्विक बैंकिंग नीतिगत घटनाक्रम का जायजा लिया गया है। खंड 4 में वैश्विक बैंकिंग क्षेत्र के वित्तीय प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया है जबकि खंड 5 में दुनिया के सबसे बड़े बैंकों के विश्लेषण पर ध्यान केंद्रित किया गया है। खंड 6 में सामने आने वाली स्थितियों के साथ इस अध्याय के निष्कर्ष दिए गए हैं।

2. वैश्विक समष्टि-आर्थिक स्थितियां

11.4 वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक (डबल्यूईओ) के अपने अक्टूबर अपडेट में, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने जनवरी 2022 के बाद से लगातार तीन अधोगामी संशोधनों के बाद 2022 के लिए वैश्विक जीडीपी वृद्धि दर को 3.2 प्रतिशत पर रखा। इसने धुंधला पड़ते परिदृश्य के बढ़ते जोखिमों और उन्नत अर्थव्यवस्थाओं (ईई) और उभरते बाजार एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (ईएमडीई) के संवृद्धि पथ में बढ़ते विचलन को उजागर किया (चार्ट 11.1ए)।

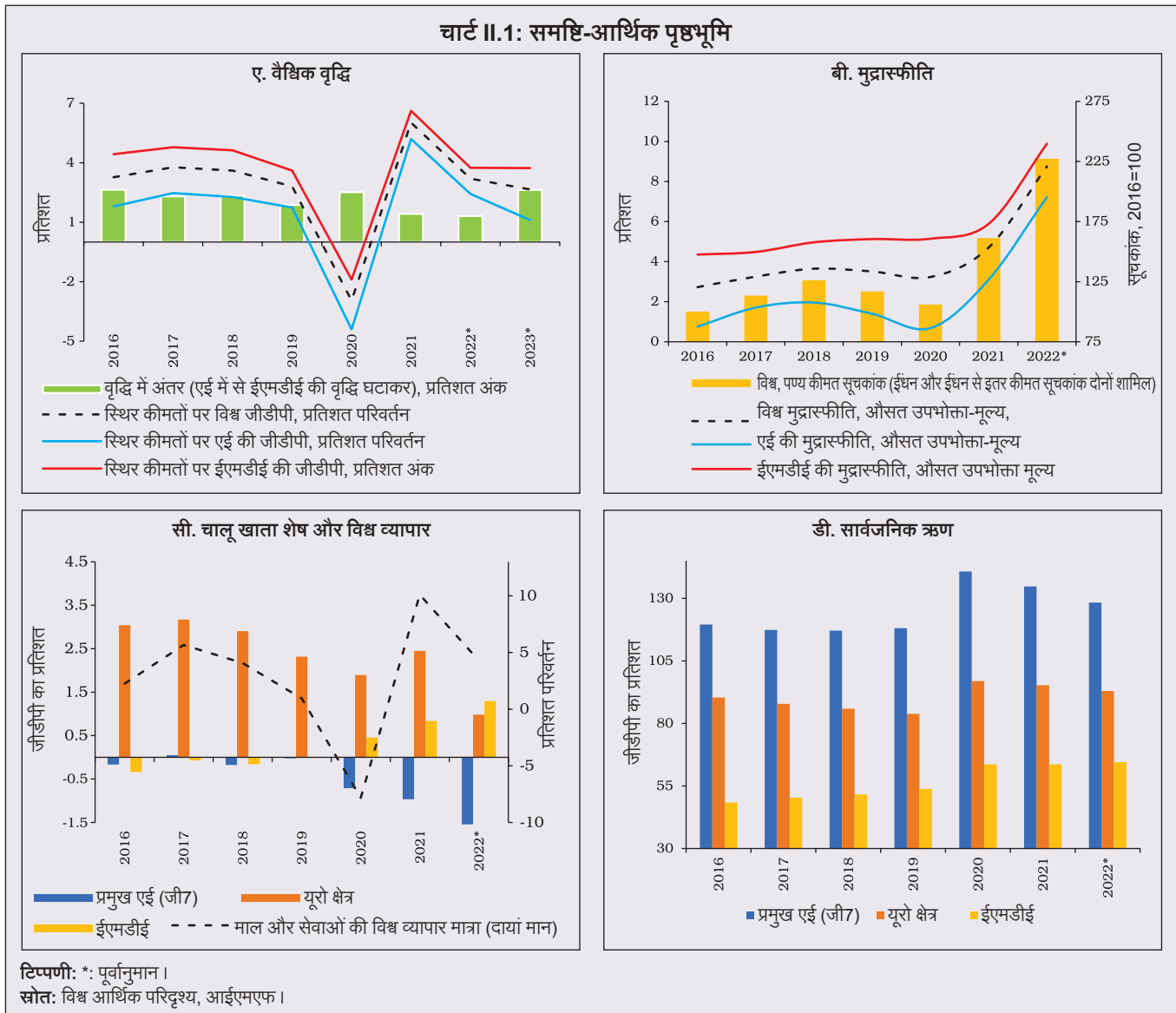
11.5 खाद्य और ऊर्जा की कीमतों में तेज वृद्धि, मांग-आपूर्ति के असंतुलन और कुछ आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों की निरंतरता के चलते वैश्विक मुद्रास्फीति के लिए अनुमान पिछले वर्ष के 4.7 प्रतिशत से ऊर्ध्वगामी संशोधन होकर वर्ष 2022 में 8.8 प्रतिशत हो गया है (चार्ट 11.1बी)।

11.6 वैश्विक वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार में वृद्धि एक वर्ष पहले के 10.1 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2022 में 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। प्रमुख उन्नत अर्थव्यवस्थाओं का चालू

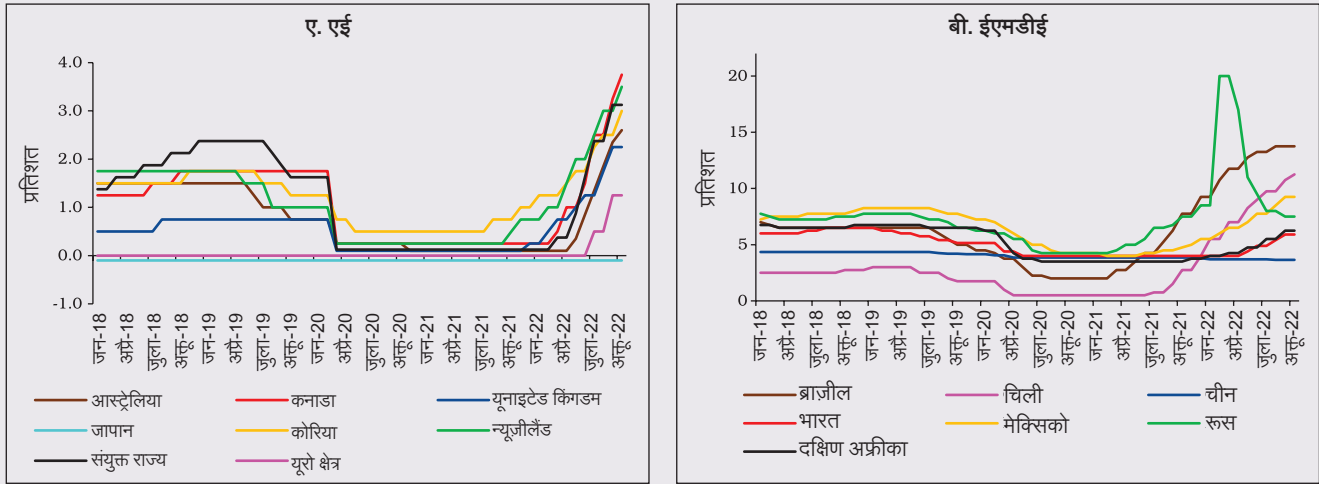
खाता घाटा (सीएडी) और अधिक बढ़ने की संभावना है, जो 2008 के जीएफसी के बाद उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है (चार्ट 11.1सी)। जहां सरकारी कर्ज 2020 में महामारी के बाद के शीर्ष स्तर से कम हो गया है, वहीं यह अभी भी ऐतिहासिक औसत की तुलना में अधिक है (चार्ट 11.1डी)।

11.7 दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने कीमत स्थिरता को बहाल करने के लिए मौद्रिक नीति सख्ती को अग्र-प्रयुक्त किया है। ईएमडीई में ब्राज़ील, चिली, मेक्सिको और रूस ने वर्ष 2021 में

चार्ट 11.1: समष्टि-आर्थिक पृष्ठभूमि



चार्ट II.2: मौद्रिक नीति दरें



कई बार नीतिगत दरों को बढ़ाया है। ईएमई केंद्रीय बैंकों ने वर्ष 2022 की शुरुआत से ही निभावकारी रुख को वापस लेना शुरू कर दिया है (चार्ट II.2बी)।

II.8 दूसरी तरफ, एई ने बहुत धीरे-धीरे नीति को सामान्य करना शुरू किया जिसमें से अधिकांश केंद्रीय बैंकों ने 2022 की शुरुआत में ही अपने दर वृद्धि चक्र शुरू कर दिया था। संयुक्त राज्य अमेरिका में फेडरल रिजर्व ने मार्च 2022 में नीतिगत सख्ती शुरू कर दी और दिसंबर 2022 तक फेडरल फंड दर को बढ़ाकर 4.25- 4.50 प्रतिशत कर दिया (चार्ट II.2ए)।

II.9 यह स्पष्ट नहीं होने से कि विश्व स्तर पर ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा को कितनी जल्दी बहाल किया जा सकता है, वर्ष 2023 का परिदृश्य अनिश्चित बना हुआ है। नतीजतन, सॉफ्ट लैंडिंग सुनिश्चित करने के लिए मौद्रिक नीति की प्रभावशीलता में विश्वास कम होने से मुद्रास्फीति का प्रक्षेपवक्र के आगे बढ़ने की उम्मीद है। मौद्रिक नीति के समकालिक और आक्रामक रूप से सख्त होने से वित्तीय स्थिति और कठोर हो गई है, जिससे वैश्विक बैंकिंग प्रणाली के लिए जोखिम पैदा हो गया है (बॉक्स II.1)।

बॉक्स II.1 बैंकिंग क्षेत्र के जोखिम पर वित्तीय स्थितियों का असर

ऐतिहासिक आंकड़ों से पता चलता है कि जीएफसी और कोविड-19 महामारी जैसे आर्थिक संकट की अवधि के दौरान बैंकिंग क्षेत्र की जोखिम बढ़ जाती है (चार्ट 1)।

वर्ष 2000 की पहली तिमाही से वर्ष 2022 की पहली तिमाही तक के कुल तिमाही आंकड़ों का उपयोग करके जी20 देशों के लिए निम्न चार-चर वेक्टर ऑटोरिग्रेशन (वीएआर) मॉडल अनुमानित किया गया:

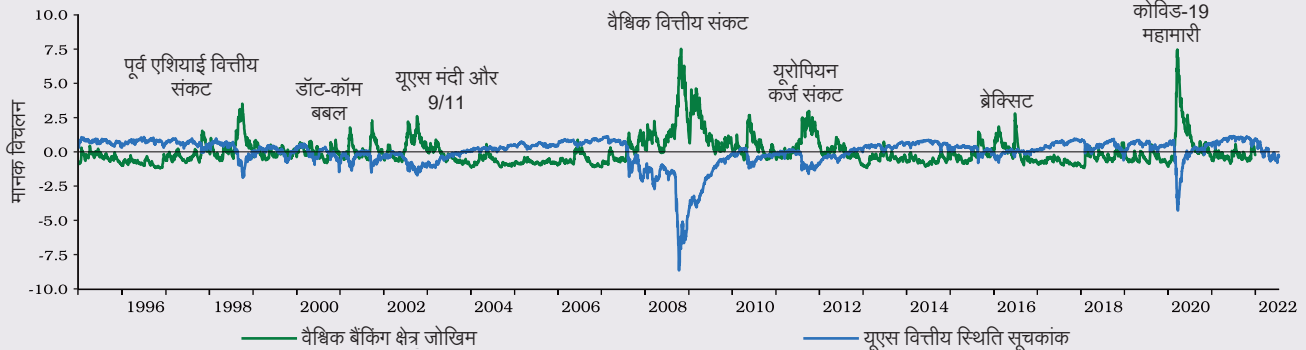
$$Y_t = C + A_i \cdot Y_{t-i} + \varepsilon_t \quad \dots(\text{Eq. 1})$$

समीकरण 1 में, Y_t अमेरिकी वित्तीय स्थिति सूचकांक (एफसीआई)^{1,2} के साथ-साथ जी20 देशों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) और वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि सहित अंतर्जात चर के वेक्टर को दर्शाता है। Y_t में एमएससीआई एडबल्यूसीआई बैंक सूचकांक की समय-भिन्न (जारी)

¹ ब्लूमबर्ग अमेरिकी वित्तीय स्थिति सूचकांक (बीएफएससीआई) यू.एस. मनी, बॉन्ड और इक्विटी बाजारों में वित्तीय दबाव के समग्र स्तर को ट्रैक करता है और ऋण की उपलब्धता और लागत का आकलन करने में मदद करता है। मुद्रा बाजार, बॉन्ड बाजार और इक्विटी बाजार के लिए सूचकांक का भारांक 33.3 प्रतिशत है। एक धनात्मक मूल्य निभावकारी वित्तीय स्थितियों को दर्शाता है, जबकि एक ऋणात्मक मूल्य 2008 से पहले की संकट अवधि के सापेक्ष सख्त वित्तीय स्थितियों को दर्शाता है।

² डेटा स्रोत: ब्लूमबर्ग।

चार्ट 1: वैश्विक बैंकिंग प्रणाली जोखिम संकेतक

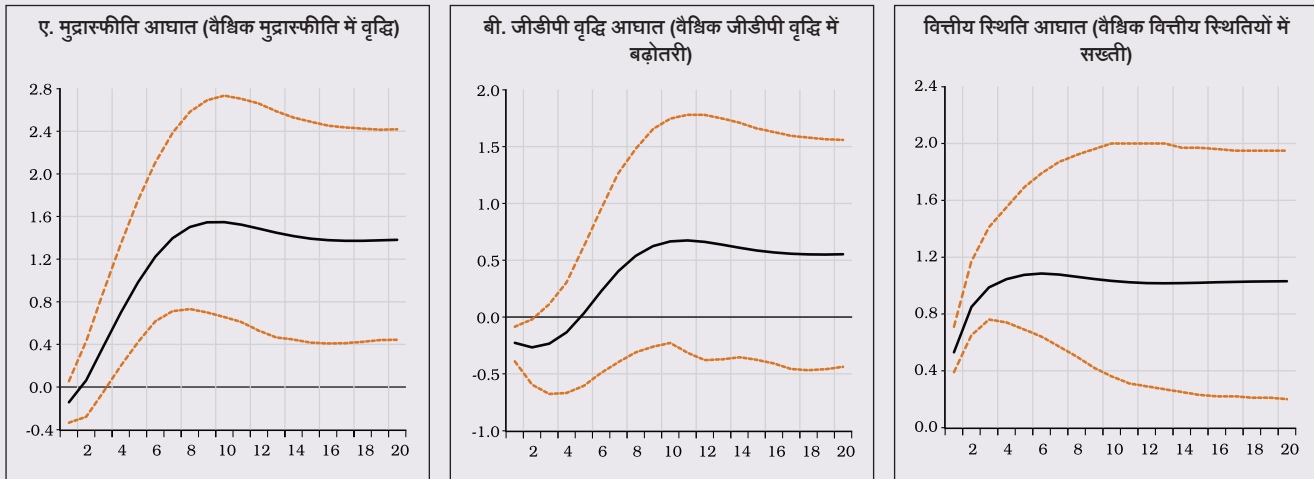


टिप्पणी: एमएससीआई एडब्ल्यूसीआई बैंक इक्विटी इंडेक्स का समय-भिन्न मानक विचलन - जिसमें 23 आई और 24 ईएमडीई से लार्ज और मिड-कैप बैंकिंग स्टॉक शामिल हैं - को अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग क्षेत्र (ग्रीन लाइन) में जोखिम के लिए एक प्रॉक्सी के रूप में लिया गया है। अमेरिकी वित्तीय स्थिति सूचकांक का उपयोग वैश्विक वित्तीय स्थितियों (नीली रेखा) के लिए प्रॉक्सी के रूप में किया गया है। शून्य माध्य और इकाई मानक विचलन के लिए डेटा को सामान्यीकृत किया गया है।
स्रोत: ब्लूमबर्ग; आरबीआई स्टाफ अनुमान।

अस्थिरता में सन्निहित बैंकिंग क्षेत्र के जोखिम का एक प्रॉक्सी संकेतक भी शामिल है, जो एक एकस्पॉनेंशियल जेनरलाइज्ड ऑटोरिग्रेसिव कंडिशनल हेटेरोस्केडैस्टिसिटी (ईजीएआरसीएच) मॉडल का उपयोग करके अनुमानित है (बोलेर्सलेव, 1986; नेल्सन, 1991)। परिणाम से पता चलता है कि वैश्विक मुद्रास्फीति में एक मानक विचलन वृद्धि से मध्यम अवधि में बैंकिंग क्षेत्र का जोखिम 1.5 अंक बढ़ जाता है (चार्ट 2ए)।

दूसरी ओर, जीडीपी वृद्धि में अप्रत्याशित बढ़ोतरी अल्पावधि में बैंकिंग क्षेत्र के जोखिम को कम करती है, हालांकि ऋण में उछाल के प्रतिक्रियास्वरूप मध्यम अवधि में वृद्धि हो सकती है जो अक्सर संवृद्धि में संकट के बाद की बहाली के साथ होती है (चार्ट 2बी)। एफसीआई को आघात, वित्तीय स्थितियों में सुगमता को दर्शाता है, वैश्विक बैंकिंग क्षेत्र के जोखिम को 1.1 अंक कम कर देता है, जो मध्यम अवधि पर बना रहता है (चार्ट 2सी)।

चार्ट 2: वैश्विक आघातों के प्रति बैंकिंग क्षेत्र के जोखिम की आवेग प्रतिक्रियाएं



टिप्पणी: उपरोक्त चार्ट वैश्विक मुद्रास्फीति, वैश्विक संवृद्धि और वित्तीय स्थितियों में सामान्यीकृत एक मानक विचलन नवाचार के प्रति वैश्विक बैंकिंग प्रणाली जोखिम की संचित प्रतिक्रिया को दर्शाते हैं। Y-अक्ष प्रभाव को मानक विचलन संबंधों को मापता है जबकि X-अक्ष तिमाहियों में सीमा को प्रदर्शित करता है। 95% विश्वास अंतराल बैंड के साथ बिंदु अनुमान क्रमशः ठोस काली रेखा और बिंदीदार नारंगी रेखाओं में दिखाए गए हैं। 1000 बूटस्ट्रैप पुनरावृत्तियों के साथ हॉल के प्रतिशतक बूटस्ट्रैप का उपयोग करके मानक त्रुटियों की गणना की गई।
स्रोत: आरबीआई स्टाफ अनुमान।

संदर्भ

बोलेर्सलेव, टी. (1986), जेनरलाइज्ड ऑटोरिग्रेसिव कंडिशनल हेटेरोस्केडैस्टिसिटी। *जर्नल ऑफ इकोनोमेट्रिक्स*, 31(3), 307-327
 नेल्सन, डी. बी. (1991)। कंडिशनल हेटेरोस्केडैस्टिसिटी इन एसेट रिटर्न्स: ए न्यू एप्रोच। *इकोनोमेट्रिका: जर्नल ऑफ इकोनोमेट्रिक सोसाइटी*, 347-370

3. वैश्विक बैंकिंग नीतिगत घटनाक्रम

II.10 वर्ष 2008 में जीएफसी के कारण हुए व्यवधानों के बाद, वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफएसबी) के साथ समन्वय में जी20 ने वित्तीय सुधारों का एक व्यापक कार्यक्रम शुरू किया, जिसका उद्देश्य उन दोषों को ठीक करना था, जिनके कारण जीएफसी हुआ। इसके चार मूल तत्व हैं: (i) सुदृढ़ वित्तीय संस्थाओं का निर्माण; (ii) इतने-बड़े-कि-न-डूबे (टू-बिग-टू-फेल/टीबीटीएफ) सुधार; (iii) डेरिवेटिव बाजारों को सुरक्षित बनाना; और (iv) गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थता (एनबीएफआई) की सुदृढ़ता को बढ़ाना। तकनीकी नवोन्मेषों और जलवायु परिवर्तन जोखिमों के क्षेत्र में हाल के नीतिगत घटनाक्रम भी अवसरों के साथ-साथ चुनौतियां भी पेश करते हैं।

सुदृढ़ वित्तीय संस्थाओं का निर्माण³

II.11 जनवरी 2023⁴ में निर्धारित उत्कृष्ट बासेल III मानकों को अपनाने और कार्यान्वित करने की समय सीमा जैसे-जैसे करीब आ रही है, उस दिशा में और प्रगति की जा रही है। सितंबर 2021 से, छह अतिरिक्त सदस्य क्षेत्राधिकारों ने क्रेडिट जोखिम के लिए संशोधित मानकीकृत दृष्टिकोण अपनाया है और प्रत्येक चार अतिरिक्त सदस्य क्षेत्राधिकारों ने संशोधित आंतरिक रेटिंग-आधारित (आईआरबी) दृष्टिकोण, संशोधित परिचालन जोखिम फ्रेमवर्क और आउटपुट फ्लोर को अपनाया है। इसके अलावा, तीन अतिरिक्त सदस्य क्षेत्राधिकारों ने संशोधित ऋण मूल्यांकन समायोजन (सीवीए) फ्रेमवर्क, बाजार जोखिम के लिए संशोधित न्यूनतम अपेक्षाएं, संशोधित लीवरेज अनुपात (2017 ऋण जोखिम परिभाषा) और वैश्विक प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंक (जी-एसआईबी) लीवरेज अनुपात बफर को अपनाया है।

लंबित चली आ रही उन मानकों में से सात और पूंजी मानक कार्यान्वयन पूरे किए गए हैं, जिसमें केंद्रीय प्रतिपक्षकारों

(सीसीपी) के लिए बैंक एक्सपोजर हेतु पूंजी अपेक्षाएं और कुल हानि-सहनीय क्षमता (टीएलएसी) होल्डिंग मानक शामिल हैं। प्रकटीकरण मानकों के लिए, मुख्य रूप से निवल स्थिर निधीयन अनुपात (एनएसएफआर) और बैंकिंग बही में ब्याज दर जोखिम के लिए पांच और अंगीकरण देखने को मिला है। इस अवधि के दौरान घरेलू प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंकों (डी-एसआईबी) के लिए फ्रेमवर्क और वृहद एक्सपोजर फ्रेमवर्क के कार्यान्वयन में प्रत्येक का एक-एक और अंगीकरण हुआ है।

इतने-बड़े-कि-न-डूबे (टू-बिग-टू-फेल/टीबीटीएफ) सुधार⁵

II.12 जी-एसआईबी समाधान योजना का ध्यान समाधान की तैयारियों को ठीक करने और इसका परीक्षण करने पर जा रहा है। वर्ष 2022 में, सभी देश में सरकारों और केंद्रीय बैंकों द्वारा कोविड-19 सहायता उपायों को जारी किए जाने के साथ-साथ बढ़े हुए भू-राजनीतिक जोखिमों ने समष्टि-आर्थिक और वित्तीय अनिश्चितताओं को और बढ़ा दिया। कुछ बैंकों ने प्रतिबंधों के कारण प्रमुख सेवाओं तक अपनी पहुंच खो दी, जबकि बाजार के विश्वास में कमी के कारण कुछ अन्य में चलनिधि प्रवाह की समस्या उत्पन्न हो गई। कुछ (गैर-प्रणालीगत) बैंकों इसका हल करने या परिनिर्धारण करने के लिए अधिकारियों को कदम उठाना पड़ा। चूंकि ईएमई के चार जी-एसआईबी द्वारा जनवरी 2025 तक टीएलएसी मानक का अनुपालन किया जाना बाकी है, इसलिए बाह्य टीएलएसी का निर्माण का कार्य जारी है। स्व-रिपोर्टिंग के अनुसार, अन्य सभी जी-एसआईबी वर्तमान में अंतिम टीएलएसी अपेक्षाओं को पूरा करते हैं या उससे अधिक हैं।

डेरिवेटिव बाजार को सुरक्षित बनाना

II.13 एफएसबी⁶ ने पाया है कि 24 एफएसबी सदस्य क्षेत्राधिकारों में से 18 ने गैर-केंद्रीय समाशोधित व्युत्पन्नी (एनसीसीडी) के लिए अंतिम उच्चतर पूंजी अपेक्षाओं को लागू

³ https://www.bis.org/bcbs/implementation/rcap_reports.htm

⁴ यदि कोई अंतिम नियम प्रकाशित होता है तो किसी क्षेत्राधिकार को एक मानक के रूप में माना जाता है और यदि कोई अंतिम नियम प्रकाशित किया गया है तो एक मानक को कार्यान्वित कर दिया गया है और बैंकों द्वारा उसे कार्यान्वित किया जाता है।

⁵ <https://www.fsb.org/wp-content/uploads/P081222.pdf>

⁶ <https://www.fsb.org/2022/11/otc-derivatives-market-reforms-implementation-progress-in-2022/>

किया है। एनसीसीडी के लिए मार्जिन अपेक्षाएँ 16 क्षेत्राधिकारों में लागू हैं, 2 क्षेत्राधिकारों ने अंतिम मानकों को प्रकाशित किया है और 3 क्षेत्राधिकारों द्वारा वर्ष 2023 में अपेक्षाओं को कार्यान्वित किए जाने की उम्मीद है। ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) डेरिवेटिव लेनदेन के लिए व्यापार रिपोर्टिंग अपेक्षाएँ 23 एफएसबी सदस्य क्षेत्राधिकारों में लागू हैं और शेष क्षेत्राधिकारों⁷ में व्यापार रिपोजिटरी (टीआर) को अधिकृत करने और क्षेत्राधिकार की आवश्यकताओं को लागू करने की तैयारी चल रही है। 17 एफएसबी सदस्य क्षेत्राधिकारों में केंद्रीय समाशोधन अपेक्षाएँ लागू हैं और 13 एफएसबी सदस्य क्षेत्राधिकारों में प्लेटफॉर्म ट्रेडिंग अपेक्षाएँ लागू हैं।

गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थों (एनबीएफआई) की सुदृढ़ता बढ़ाना

II.14 मानक निर्धारण निकायों (एसएसबी) और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर एफएसबी एनबीएफआई क्षेत्र की सुदृढ़ता को बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। यह उनकी चल रही निगरानी को मजबूत करके और जहां उपयुक्त हो, ऐसे जोखिमों को दूर करने के लिए नीतियां विकसित करके क्षेत्र में प्रणालीगत जोखिमों को कम करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है।

II.15 नवंबर 2022 में, एफएसबी ने गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थता⁸ की सुदृढ़ता बढ़ाने संबंधी एक प्रगति रिपोर्ट जारी की, जिसमें पिछले वर्ष की प्रगति और एसएसबी के साथ-साथ एफएसबी और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा एफएसबी के एनबीएफआई कार्य कार्यक्रम के तहत एनबीएफआई की सुदृढ़ता

बढ़ाने के लिए नियोजित कार्य का वर्णन है। एनबीएफआई कार्य कार्यक्रम के मुख्य फोकस में शामिल हैं: मुद्रा बाजार निधि (एमएमएफ) की सुदृढ़ता को बढ़ाने के लिए नीतिगत कार्य⁹; निर्बंध निधि (ओईएफ) में चलनिधि जोखिम और उसके प्रबंधन का आकलन; दबाव के दौरान मुख्य सरकार¹⁰ और कॉर्पोरेट बॉन्ड¹¹ बाजारों में चलनिधि की संरचना और कारकों की जांच करना; केंद्रीय और गैर-केंद्रीय रूप से समाशोधित बाजारों में मार्जिन कॉल्स¹² के फ्रेमवर्क और गतिशीलता की जांच; यूएसडी क्रॉस-बॉर्डर फंडिंग में कमजोरियों का आकलन और ईएमई¹³ में अतिसंवेदनशीलता के साथ पारस्परिक क्रिया।

जलवायु-संबंधी वित्तीय प्रकटीकरण

II.16 तेजी से, दुनिया भर के केंद्रीय बैंक और नीति निर्माता जलवायु परिवर्तन को वित्तीय प्रणाली के लिए प्रणालीगत जोखिम के संभावित स्रोत के रूप में मान रहे हैं। ये जोखिम, जिनमें भौतिक, संक्रमण और देयता संबंधी जोखिम¹⁴ शामिल हैं, सीमापार और सभी क्षेत्रों¹⁵ सहित पूरे वित्तीय प्रणाली में संचरित हो सकते हैं।

II.17 हाल के वर्षों में, जलवायु परिवर्तन के जोखिमों से निपटने के प्रयास क्षेत्राधिकार में बढ़ रहे हैं और बड़ी संख्या में केंद्रीय बैंक या तो विचार कर रहे हैं या जलवायु परिवर्तन से वित्तीय क्षेत्र के जोखिमों को दूर करने की योजना बना रहे हैं। जलवायु संबंधी जोखिमों के ऋण जोखिम को मापने में पर्याप्त रूप से सुसंगत, तुलनीय, ग्रैन्यलर और विश्वसनीय जलवायु आंकड़ों की कमी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

⁷ दक्षिण अफ्रीका

⁸ <https://www.fsb.org/wp-content/uploads/P101122.pdf>

⁹ <https://www.fsb.org/wp-content/uploads/P111021-2.pdf>

¹⁰ <https://www.fsb.org/2022/10/liquidity-in-core-government-bond-markets/>

¹¹ <https://www.iosco.org/library/pubdocs/pdf/IOSCOPD700.pdf>

¹² <https://www.bis.org/bcbs/publ/d537.htm>

¹³ <https://www.fsb.org/wp-content/uploads/P260422.pdf>

¹⁴ देयता जोखिम तब उत्पन्न होते हैं जब लोग या कारोबार उन नुकसानों के लिए मुआवजे की मांग करते हैं जो उन्हें जलवायु परिवर्तन से भौतिक या संक्रमण जोखिमों से पीड़ित हुए हों।

¹⁵ <https://www.fsb.org/2022/10/supervisory-and-regulatory-approaches-to-climate-related-risks-final-report/>

II.18 सामान्य संधारणीयता-संबंधी प्रकटीकरण अपेक्षाएं और जलवायु-संबंधी प्रकटीकरण अपेक्षाएं ऐसे दो क्षेत्र हैं, जहां अंतरराष्ट्रीय धारणीयता मानक बोर्ड (आईएसएसबी) ने हाल ही में मानक प्रस्तावित किए हैं¹⁶। वे जलवायु-संबंधित वित्तीय प्रकटीकरण संबंधी कार्यबल (टीसीएफडी) और उद्योग-आधारित प्रकटीकरण मानकों से संबंधित कार्य बल की सिफारिशों पर निर्मित हैं। इसका उद्देश्य सुसंगत, पूर्ण, तुलनीय और सत्यापन योग्य जानकारी के साथ स्थिरता प्रकटीकरण के वैश्विक आधार-रेखा मानक को विकसित करना है।

II.19 जून 2022 में बीसीबीएस ने जलवायु संबंधी वित्तीय जोखिमों¹⁷ के प्रभावी प्रबंधन और पर्यवेक्षण के लिए 18 सिद्धांत जारी किए। इन सिद्धांतों में कॉर्पोरेट अभिशासन, आंतरिक नियंत्रण, जोखिम मूल्यांकन, प्रबंधन और रिपोर्टिंग जैसे विविध क्षेत्र शामिल हैं। इन सिद्धांतों का उद्देश्य इस क्षेत्र में विषमता और विकसित प्रथाओं की डिग्री को देखते हुए, पर्याप्त लचीलापन बनाए रखते हुए, प्रथाओं में सुधार करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय बैंकों और पर्यवेक्षकों के लिए एक सामान्य आधार-रेखा प्रदान करने में संतुलन हासिल करना है। इन सिद्धांतों को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि वे बैंक या बैंकिंग क्षेत्र के आकार, जटिलता और जोखिम प्रोफाइल के आधार पर आनुपातिक तरीके से बैंकिंग प्रणालियों की एक विविध श्रेणी द्वारा अपनाए जा सकते हैं।

II.20 जुलाई 2022 में, एफएसबी ने पहली बार जलवायु संबंधी वित्तीय जोखिमों¹⁸ को दूर करने के लिए एसएसबी और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा की गई प्रगति का आकलन किया। रोडमैप के सभी चार ब्लॉक अर्थात् फर्म-स्तरीय प्रकटीकरण, डेटा, भेद्यता विश्लेषण और विनियामकीय और

पर्यवेक्षी साधनों का मूल्यांकन किया गया। रिपोर्ट में जलवायु-संबंधी वित्तीय जोखिमों के लिए सामान्य मेट्रिक्स स्थापित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें फॉरवर्ड-लुकिंग मेट्रिक्स और सुसंगत रूप में जलवायु-जोखिम संबंधी डेटा तक खुली पहुंच के लिए डेटा रिपॉजिटरी स्थापित करना शामिल है।

II.21 उसी महीने में, यूरोपीय सेंट्रल बैंक (ईसीबी) ने घोषणा की कि वह यूरोसिस्टम के मौद्रिक नीति फ्रेमवर्क¹⁹ में जलवायु परिवर्तन के विषय को शामिल करेगा। संबंधित उपायों में शामिल हैं: (i) कम ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन; अधिक महत्वाकांक्षी कार्बन कटौती लक्ष्य और बेहतर जलवायु-संबंधी प्रकटीकरण वाले निर्गमकर्ताओं की ओर ईसीबी के कॉर्पोरेट बॉन्ड होल्डिंग्स का रुख करना; (ii) उच्च कार्बन फुटप्रिंट वाली संस्थाओं द्वारा जारी आस्तियों की हिस्सेदारी को सीमित करना, जिसे यूरोसिस्टम से उधार लेते समय व्यक्तिगत प्रतिपक्षकारों द्वारा संपार्श्विक के रूप में गिरवी रखा जा सकता है; (iii) यूरोसिस्टम ऋण परिचालन में संपार्श्विक के रूप में कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी रिपोर्टिंग डायरेक्टिव (सीएसआरडी) का अनुपालन करने वाली कंपनियों और देनदारों से विपणन योग्य आस्ति और ऋण दावों को स्वीकार करना; और (iv) जलवायु संबंधी जोखिमों को बेहतर ढंग से पकड़ने के लिए ईसीबी के जोखिम मूल्यांकन साधनों एवं क्षमताओं को और बढ़ाना।

II.22 नवंबर 2022 में, एफएसबी ने वित्तीय प्रणाली हरितकरण नेटवर्क (एनजीएफएस) के साथ एक संयुक्त रिपोर्ट²⁰ प्रकाशित की, जो विभिन्न वित्तीय प्राधिकरणों द्वारा किए गए जलवायु परिदृश्य विश्लेषण के निष्कर्षों का संश्लेषण प्रदान करती है।

¹⁶ <https://www.ifrs.org/news-and-events/news/2022/03/issb-delivers-proposals-that-create-comprehensive-global-baseline-of-sustainability-disclosures/>

¹⁷ <https://www.bis.org/press/p220615.htm>

¹⁸ <https://www.fsb.org/2022/07/fsb-outlines-progress-made-on-addressing-financial-risks-from-climate-change/>

¹⁹ <https://www.ecb.europa.eu/press/pr/date/2022/html/ecb.pr220704~4f48a72462.en.html>

²⁰ <https://www.fsb.org/wp-content/uploads/P151122.pdf>

सीमापार भुगतान को बढ़ाना

II.23 त्वरित और अधिक कुशल तरीके से सीमापार भुगतान के लक्ष्य को प्राप्त करने की प्रमुख चुनौतियों में उच्चतर लागत, निम्न गति, सीमित पहुंच और अपर्याप्त पारदर्शिता शामिल है। वर्ष 2021 में एफएसबी ने तीन खंडों - थोक सीमापार भुगतान; खुदरा सीमापार भुगतान; और विप्रेषण²¹ के लिए 11 विश्व स्तरीय मात्रात्मक लक्ष्य निर्धारित करके इन समस्याओं को दूर करना चाहा। इसके अलावा, जुलाई 2022 में एफएसबी ने लक्ष्यों की दिशा में प्रगति की निगरानी के लिए प्रमुख प्रदर्शन संकेतक (केपीआई) प्रस्तावित किए और इन केपीआई²² की गणना के लिए आंकड़ों की मौजूदा और संभावित स्रोतों की पहचान की। नवंबर 2022 में प्रकाशित अंतिम रिपोर्ट में केपीआई और उनकी गणना में अंतर्निहित मुख्य डेटा स्रोतों की अधिक विस्तृत चर्चा की गई थी, जिसमें ठोस अंतराल, निगरानी कार्य को परिचालनगत करने के दृष्टिकोण शामिल थे²³।

II.24 मई 2022 में, बीआईएस की भुगतान और बाजार इन्फ्रास्ट्रक्चर संबंधी समिति (सीपीएमआई) ने प्रमुख भुगतान प्रणालियों, विशेष रूप से तत्काल सकल निपटान (आरटीजीएस) सिस्टम की पहुंच व्यवस्था का स्व-मूल्यांकन करने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रकाशित किया²⁴। सीपीएमआई चलनिधि लागत और निपटान जोखिम को कम करते हुए सीमापार भुगतान की गति बढ़ाने के लिए अधिकार क्षेत्र में आरटीजीएस सिस्टम के परिचालन अवधि को बढ़ाने की दिशा में भी काम कर रहा है²⁵।

II.25 अगस्त 2022 में प्रकाशित एक पेपर²⁶ में, ईसीबी ने सीमापार भुगतान प्रणालियों के लिए छह²⁷ संभावित अवसरों की तुलना की, जो तत्काल, सस्ते, सार्वभौमिक होने और एक सुरक्षित निपटान माध्यम में व्यवस्थित होने पर खरे उतर सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार एक एफएक्स रूपांतरण परत के माध्यम से आपस में जुड़ी केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) और तत्काल घरेलू भुगतान प्रणाली सीमापार भुगतान के लिए 'रामबाण' (होली ग्रेल) सिद्ध हो सकती हैं।

केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी)

II.26 विश्व स्तर पर एक आम सहमति बन रही है कि यदि सीबीडीसी को सही ढंग से लागू किया जाता है, तो यह भुगतान विकल्पों में विविधता बढ़ा सकता है, सीमापार भुगतान को तेज और सस्ता बना सकता है, वित्तीय समावेश में वृद्धि कर सकता है और संभावित रूप से महामारी जैसे संकट के समय लक्षित लाभार्थियों को वित्तीय हस्तांतरण करने की सुविधा प्रदान कर सकता है। अनेक केंद्रीय बैंक और सरकारें, वैध मुद्रा के डिजिटल संस्करण की खोज के लिए प्रयास कर रही हैं। कोविड-19 महामारी ने कम रिटर्न देने वाली वित्तीय आस्तियों के विकल्प के रूप में डिजिटल भुगतान में आशातीत वृद्धि और निजी क्रिप्टो करेंसी की तेज वृद्धि का समर्थन करने वाली स्थितियां बनाने में योगदान दिया। इस अनुभव ने केंद्रीय बैंकों को सीबीडीसी पर तेजी से काम करने के लिए प्रेरित किया। सीबीडीसी पर बीआईएस सर्वेक्षण 2021²⁸ के परिणामों से पता चला कि 90 प्रतिशत केंद्रीय बैंक सक्रिय रूप से सीबीडीसी की क्षमता पर

²¹ <https://www.fsb.org/wp-content/uploads/P131021-2.pdf>

²² <https://www.fsb.org/wp-content/uploads/P060722.pdf>

²³ <https://www.fsb.org/2022/11/developing-the-implementation-approach-for-the-cross-border-payments-targets-final-report/>

²⁴ <https://www.bis.org/cpmi/publ/d202.htm>

²⁵ <https://www.bis.org/cpmi/publ/d203.htm>

²⁶ टुवाईस द होली ग्रेल ऑफ क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट्स। <https://www.ecb.europa.eu/pub/pdf/scpwps/ecb.wp2693-8d4e580438.en.pdf?972bbcc119868c193467dc86f4a7cf706> पर उपलब्ध है।

²⁷ इनमें शामिल हैं (i) आधुनिकीकृत प्रतिनिधि बैंकिंग; (ii) उभरते हुए सीमापार फिनटेक समाधान; (iii) बिटकॉइन; (iv) वैश्विक स्टेबलकॉइन्स; (v) विदेशी मुद्रा संपरिवर्तन लेयर से आपस में जुड़ी तत्काल भुगतान प्रणाली; (vi) विदेशी मुद्रा संपरिवर्तन लेयर से आपस में जुड़ी सीबीडीसी।

²⁸ इस रिपोर्ट में 81 केंद्रीय बैंकों के सीबीडीसी कार्य में उनकी भागीदारी के साथ-साथ सीबीडीसी जारी करने के संबंध में उनकी अभिप्रेरणा और उनके इरादों के बारे में सर्वेक्षण के परिणाम को प्रस्तुत किया गया है। <https://www.bis.org/publ/bppdf/bispap125.pdf> पर उपलब्ध है।

शोध कर रहे थे, 62 प्रतिशत प्रौद्योगिकी के साथ प्रयोग कर रहे थे और 26 प्रतिशत प्रायोगिक परियोजनाओं को लागू कर रहे थे।

11.27 अक्टूबर 2021²⁹ में ईसीबी ने उपयोगकर्ताओं की प्राथमिकताओं तथा व्यापारियों और मध्यवर्ती संस्थाओं द्वारा तकनीकी सलाह के आधार पर डिजाइन और वितरण के संबंध में प्रमुख मुद्दों का समाधान करने के उद्देश्य से डिजिटल यूरो परियोजना का एक अन्वेषण चरण शुरू किया। गोपनीयता सुनिश्चित करने और यूरो क्षेत्र के नागरिकों, मध्यवर्ती संस्थाओं और समग्र अर्थव्यवस्था के लिए जोखिम से बचने के डिजाइन विकल्पों को चिन्हित करते हुए अन्वेषण चरण 24 महीने तक चलेगा और बाजार पर डिजिटल यूरो के संभावित प्रभाव का आकलन करेगा। यह डिजिटल यूरो पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर पर्यवेक्षित मध्यवर्ती संस्थाओं के लिए एक कारोबार मॉडल का भी निर्धारण करेगा।

11.28 ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया, सिंगापुर और दक्षिण अफ्रीका के केंद्रीय बैंकों के साथ बीआईएस इनोवेशन हब (बीआईएसआईएच), “प्रोजेक्ट डनबार” नामक एक बहु-केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (एम-सीबीडीसी) साझा प्लेटफॉर्म को डिजाइन किया और उसे विकसित किया। यह प्लेटफॉर्म कई केंद्रीय बैंकों द्वारा जारी की गई डिजिटल मुद्राओं का उपयोग करके अंतरराष्ट्रीय निपटान को सक्षम बना सकता है। प्रतिनिधि बैंकिंग मॉडल में बैंक एक-दूसरे के साथ विदेशी मुद्रा खाते रखते हैं, इसके विपरीत यह एक बहु-मुद्रा सामान्य निपटान प्लेटफॉर्म है जो मध्यवर्ती संस्थाओं की आवश्यकता के बिना विभिन्न मुद्राओं में सीधे एक-दूसरे को भुगतान करने में सक्षम बनाता है

और इस प्रकार सीमापार भुगतान के लिए समय, प्रयास, लागत और निपटान जोखिम को कम करता है। मार्च 2022 में प्रकाशित परियोजना के प्रारंभिक चरण के परिणाम, ब्लॉकचेन आधारित डिस्ट्रिब्यूटेड लेजर प्रौद्योगिकी पर विकसित दो प्रोटोटाइप के आधार पर एम-सीबीडीसी की तकनीकी व्यवहार्यता की पुष्टि करते हैं।

11.29 बीआईएसआईएच, खुदरा सीबीडीसी के लिए एक द्वि-स्तरीय वितरण मॉडल (खुदरा सीबीडीसी प्रणाली के प्राथमिक स्तर पर केंद्रीय बैंक और निजी क्षेत्र द्वारा की जाने वाली ग्राहक-संबंधी गतिविधियां) के आधार पर एक प्रोटोटाइप भी विकसित कर रहा है, जो खुदरा भुगतान³⁰ के लिए केंद्रीय बैंक के खाता-बही को सुरक्षित परिवेश में निजी क्षेत्र के सेवा प्रदाताओं के साथ परस्पर कार्य करने में सक्षम बना सकता है।

क्रिप्टो-आस्तियों का विनियमन

11.30 यूएस फेडरल रिजर्व द्वारा से मौद्रिक नीति को आक्रामक रूप से सख्त करने के बाद, क्रिप्टो बाजारों³¹ में उच्च अस्थिरता देखी गई है। यहां तक कि स्टेबलकॉइन³² भी इससे बच नहीं पाये। क्रिप्टो-क्षेत्र का बाजार पूंजीकरण नवंबर 2021 में लगभग \$3 ट्रिलियन के शीर्ष स्तर से गिरकर दिसंबर 2022 में \$1 ट्रिलियन से भी कम हो गया³³। कुछ प्रमुख क्रिप्टो लेंडिंग और ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म ने या तो अपने प्लेटफॉर्म से आहरण बंद कर दिया या फिर दिवालियापन की घोषणा की³⁴। एक प्रमुख क्रिप्टो सूचकांक की विफलता के बाद नवंबर 2022 में क्रिप्टो बाजार को उथल-पुथल के एक और प्रकरण का सामना करना पड़ा³⁵।

²⁹ https://www.ecb.europa.eu/paym/digital_euro/investigation/governance/shared/files/ecb.degov220929.en.pdf

³⁰ <https://www.bis.org/about/bisih/topics/cbdc/rosalind.htm>

³¹ <https://fortune.com/2022/05/05/bitcoin-plummets-alongside-stocks-federal-reserve-decision/>

³² स्टेबलकॉइन, क्रिप्टो आस्तियों की विशेष श्रेणी हैं, जिनका उद्देश्य एक निर्दिष्ट आस्ति (आमतौर पर यूएस डॉलर), या आस्तियों का एक पूल या समूह, के सापेक्ष एक स्थिर मूल्य बनाए रखना है जो कि समर्थन रहित क्रिप्टो-आस्तियों के विपरीत है।

³³ <https://coinmarketcap.com/charts/>

³⁴ सेल्सियस नेटवर्क लिमिटेड, बेबेल फाइनेंस, कॉइनफ्लेक्स, वोयाजर डिजिटल, वॉल्ड और जिपमेक्स ने क्रमशः 12 जून 2022, 17 जून 2022, 23 जून 2022, 01 जुलाई 2022, 04 जुलाई 2022 और 20 जुलाई 2022 को निकासी पर रोक लगाने की घोषणा की। सेल्सियस नेटवर्क और वायेजर डिजिटल ने दिवालियापन के लिए दायर किया है। स्रोत: <https://www.bloomberg.com/news/articles/2022-07-21/crypto-woes-spread-as-celsius-babel-links-hit-another-exchange?sref=QF6yuiF0>

³⁵ <https://www.nytimes.com/2022/11/10/technology/ftx-binance-crypto-explained.html>

इन प्रकरणों ने एक बार फिर इन आस्तियों द्वारा उत्पन्न वित्तीय स्थिरता जोखिमों के मुद्दे को सामने ला दिया है। विश्व भर में नीति निर्माता और एसएसबी, इन आस्तियों के द्वारा प्रस्तुत जोखिमों के अनुरूप, क्रिप्टो-आस्तियों के प्रभावी विनियमन और पर्यवेक्षण के लिए जोखिम-आधारित और प्रौद्योगिकी-तटस्थ नीतियों के विकास की दिशा में काम कर रहे हैं।

II.31 एफएसबी ने क्रिप्टो-क्षेत्र से संबंधित निम्नलिखित दुर्बलताओं की पहचान की है जिनके वित्तीय स्थिरता संबंधी निम्न प्रभाव हो सकते हैं: क्रिप्टो-आस्ति बाजारों और विनियमित वित्तीय प्रणाली के बीच बढ़ती सहबद्धता; चलनिधि असंतुलन, ऋण और परिचालन संबंधी जोखिम जो स्टेबलकॉइन को उनकी आरक्षित निधियों का अचानक और हानिकारक उपयोग करने के लिए मजबूर करते हैं, और अल्पावधि निधीयन बाजारों में प्रभाव-विस्तार होने की संभावना; निवेश कार्यनीतियों में लीवरेज का बढ़ता उपयोग; ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म का संकेंद्रण जोखिम; क्षेत्र की अस्पष्टता और विनियामक निगरानी की कमी; क्रिप्टो-आस्तियों को लेकर निवेशक और उपभोक्ता की समझ का निम्न स्तर; धन शोधन; साइबर अपराध और रैन्समवेयर³⁶।

II.32 एफएसबी ने चार संचरण चैनलों पर भी प्रकाश डाला है जिसके माध्यम से निम्न दुर्बलताओं से वित्तीय स्थिरता पर प्रभाव पड़ सकता है: (i) वित्तीय क्षेत्र का क्रिप्टो-आस्तियों, संबंधित वित्तीय उत्पादों और संस्थाओं पर प्रत्यक्ष एक्सपोजर, जो इन आस्तियों से वित्तीय रूप से प्रभावित होते हैं; (ii) धन प्रभाव, यानी, क्रिप्टो-आस्तियों के मूल्य में परिवर्तन का वह स्तर जो उनके निवेशकों को वित्तीय प्रणाली पर आगामी प्रारंभिक प्रभावों के साथ असर डाल सकता है; (iii) विश्वास प्रभाव (कॉन्फिडेंस इफेक्ट) जिसके माध्यम से क्रिप्टो-आस्तियों से संबंधित घटनाक्रम क्रिप्टो-आस्ति बाजारों में निवेशकों के विश्वास, और संभावित रूप से व्यापक वित्तीय प्रणाली को प्रभावित कर सकते

हैं; और (iv) भुगतान और निपटान में क्रिप्टो-आस्तियों प्रयोग का विस्तार।

II.33 बीसीबीएस क्रिप्टो-आस्ति को समूह-1 क्रिप्टो-आस्ति और समूह-2 क्रिप्टो-आस्ति में विभाजित करता है, जिसमें समूह-1 क्रिप्टो-आस्ति पूरी तरह से वर्गीकरण शर्तों के सेट को पूरा करती हैं और समूह-2 में ऐसी आस्तियां हैं जो ऐसी शर्तों को पूरा नहीं करती हैं। समूह-1 की आस्तियों को आगे और विभाजित किया गया जिसमें समूह 1ए आस्तियों में टोकन वाली पारंपरिक आस्तियां और समूह 1बी में प्रभावी स्थिरीकरण तंत्र के साथ क्रिप्टो-आस्तियां शामिल हैं। समूह 1 की क्रिप्टो-आस्तियों को कम-से-कम समतुल्य जोखिम-आधारित पूंजी आवश्यकताओं के अधीन रखने का प्रस्ताव है, जो मौजूदा बासेल पूंजी फ्रेमवर्क में निर्धारित अंतर्निहित एक्सपोजर पर जोखिम भार के आधार पर होंगी और समूह 2 की क्रिप्टो-आस्तियां और अधिक संतुलित पूंजी सुविधा के अधीन होंगी³⁷।

II.34 जून 2022 में बीसीबीएस ने फ्रेमवर्क में कुछ परिवर्धन/परिवर्तन का सुझाव दिया जो निम्नलिखित हैं: (i) बासेल फ्रेमवर्क में शामिल करने के लिए मानक मसौदे का विस्तार; (ii) वर्गीकरण शर्तों का परिशोधन; (iii) सभी समूह 1 क्रिप्टो-आस्तियों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर जोखिम को कवर करने के लिए जोखिम-भारित आस्तियों (आरडब्ल्यूए) में एक वर्धित मद (एड-ऑन) शुरुआत; (iv) समूह 2 की कुछ क्रिप्टो-आस्तियों के लिए बचाव-व्यवस्था (हेजिंग) की स्वीकृति; और (v) एक्सपोजर सीमा की शुरुआत, जो शुरुआत में समूह 2 की क्रिप्टो-आस्तियों के लिए बैंक के कुल एक्सपोजर को टीयर 1 पूंजी के एक प्रतिशत तक सीमित कर देगी³⁸।

II.35 जुलाई 2022 में एफएसबी ने क्रिप्टो क्षेत्र के विनियमन और पर्यवेक्षण के संबंध में भावी मार्ग पर अंतरराष्ट्रीय रुख निर्धारित किया। इन शिफारिशों में शामिल है³⁹। (i) क्रिप्टो-

³⁶ <https://www.fsb.org/wp-content/uploads/P160222.pdf>

³⁷ <https://www.bis.org/bcbs/publ/d519.htm>

³⁸ <https://www.bis.org/bcbs/publ/d533.pdf>

³⁹ <https://www.fsb.org/wp-content/uploads/P110722.pdf>

आस्तियों और बाजारों को प्रभावी विनियमन और निगरानी के अधीन लाया जाना चाहिए और यह उनके द्वारा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्पन्न होने वाले उन जोखिमों के अनुरूप होना चाहिए; (ii) क्रिप्टो-आस्ति सेवा प्रदाताओं को हर समय अपने अधिकार क्षेत्रों में मौजूदा कानूनी दायित्वों का अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए; (iii) क्रिप्टो-आस्ति बाजारों में हाल की उथल-पुथल, एफएसबी के कार्य-क्षेत्रों में जारी प्रगति और क्रिप्टो-आस्तियों द्वारा उत्पन्न संभावित वित्तीय स्थिरता जोखिमों को दूर करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मानक तय करने वाले निकायों तथा तथाकथित स्टेबलकॉइन के महत्व पर प्रकाश डालती है और; (iv) यदि स्टेबलकॉइन को वित्तीय प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है तो इन्हें सुदृढ़ विनियमनों और संबंधित प्राधिकारियों की देखरेख के अधीन लाया जाना चाहिए। इस वक्तव्य में आगे घोषणा हुई है कि एफएसबी सदस्य मौजूदा अंतरराष्ट्रीय मानकों के पूर्ण और समय से कार्यान्वयन का समर्थन करते हैं और एफएसबी यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है कि क्रिप्टो-आस्तियां सुदृढ़ विनियमन और पर्यवेक्षण के अधीन हैं।

11.36 अक्टूबर 2022 में, एफएसबी ने क्रिप्टो-आस्ति गतिविधियों और बाजारों के विनियमन, पर्यवेक्षण और निगरानी के लिए अनुशंसा की और 'वैश्विक स्टेबलकॉइन' व्यवस्था के विनियमन, पर्यवेक्षण और निगरानी के लिए पिछली सिफारिशों की समीक्षा की। ये प्रस्ताव क्रिप्टो-आस्ति गतिविधियों और बाजारों के लिए विनियामक और पर्यवेक्षी दृष्टिकोण की व्यापकता और अंतरराष्ट्रीय अनुरूपता का संवर्धन करना चाहते हैं^{40, 41}।

4. वैश्विक बैंकिंग क्षेत्र का प्रदर्शन

11.37 महामारी के आगमन के समय वैश्विक बैंकिंग क्षेत्र की स्थिति मजबूत थी और तब से अब तक वर्ष 2021 और 2022

के दौरान इसकी स्थिति आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनी हुई है। इसका मुख्य कारण विभिन्न विनियामकीय और समष्टि-विवेकपूर्ण सुधारों का कार्यान्वयन है। इसके अलावा, विनियामकीय छूट और असाधारण मौद्रिक तथा राजकोषीय सहायता ने बैंकों को वास्तविक क्षेत्र में ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में मदद की।

बैंक ऋण वृद्धि

11.38 कोविड-19 महामारी की शुरुआत में, वैश्विक वृद्धि में संकुचन और आवागमन संबंधी प्रतिबंधों के कारण वर्ष 2020 की पहली छमाही में ऋण वृद्धि में गिरावट आई। वर्ष 2020 की दूसरी छमाही में ऋण वृद्धि की बहाली अल्पकालिक सिद्ध हुई और केवल वर्ष 2021 की पहली छमाही तक बना रहा - और तब से कमजोर मांग चालकों के कारण आई और ईएमडी में तीव्र गिरावट आई है (चार्ट 11.3ए)। जहां अधिकांश उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में ऋण वृद्धि मंद रही, वहीं यूएसए और ऑस्ट्रेलिया ने वर्ष 2021 की दूसरी छमाही से सुधार के संकेत दर्शाये हैं (चार्ट 11.3बी)। चीन के उल्लेखनीय अपवाद के साथ, अधिकांश ईएमई में एक समान बहाली देखी गई (चार्ट 11.3सी)। इसके विपरीत, पूरे यूरो क्षेत्र में क्रेडिट वृद्धि निराशाजनक रही। वर्ष 2021 में ग्रीस में बैंक क्रेडिट वृद्धि में संकुचन लगातार ग्यारहवें वर्ष जारी रहा (चार्ट 11.3डी)।

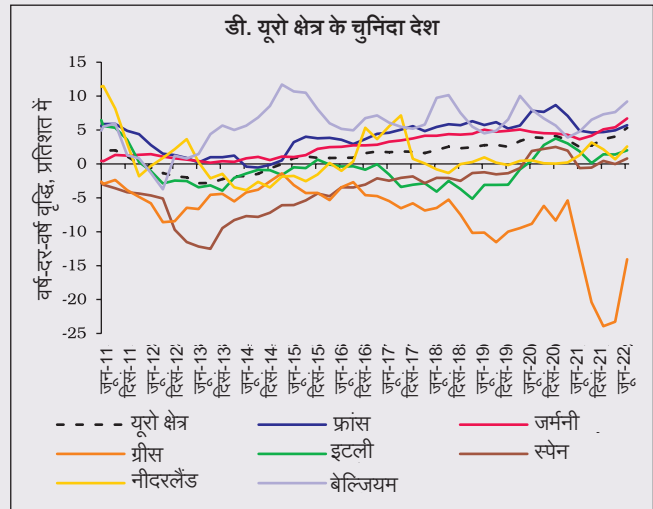
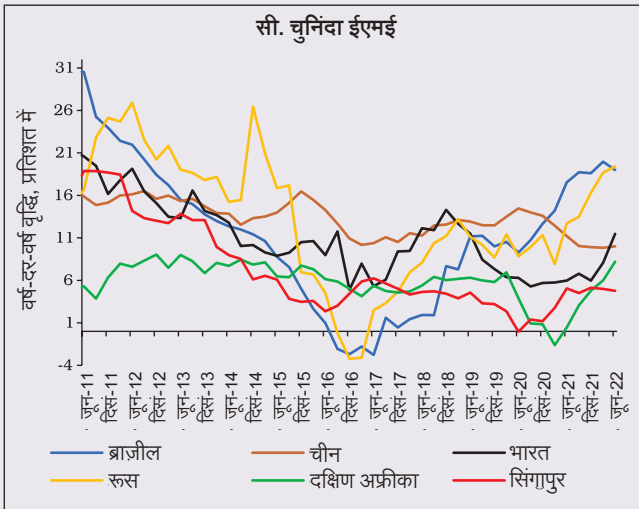
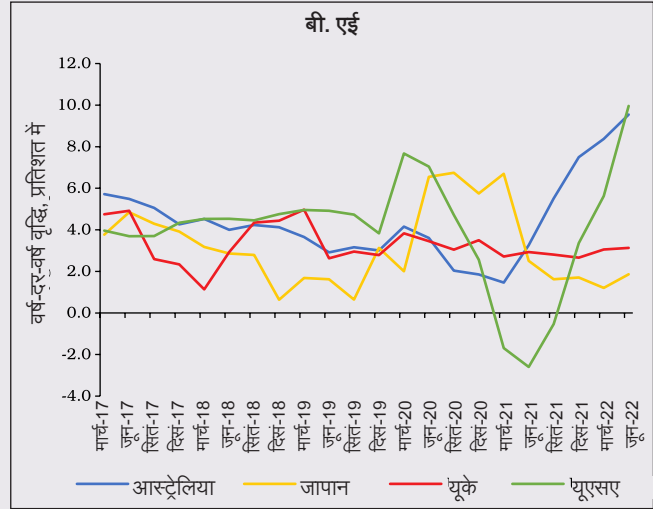
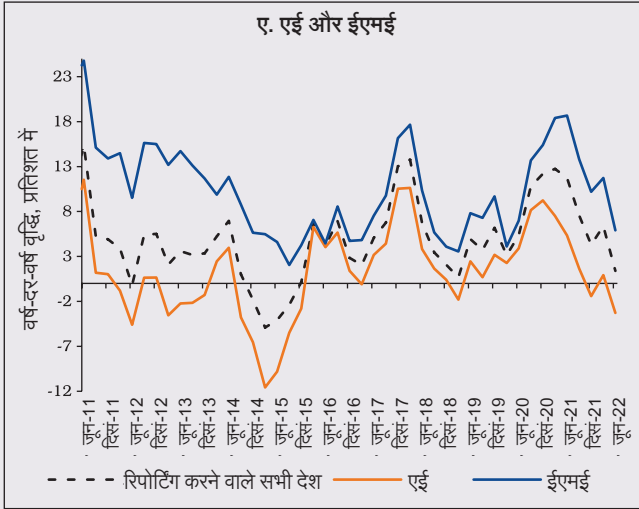
आस्ति गुणवत्ता

11.39 उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में कुल सकल ऋणों की तुलना में अनर्जक ऋणों के अनुपात (एनपीएल अनुपात) द्वारा मापी गई आस्ति गुणवत्ता में सुधार जारी रहा (चार्ट 11.4ए)। यूरो क्षेत्र में, ग्रीस में सरकार और संस्था-विशिष्ट मध्यक्षेपों से इसके बैंकों की आस्ति की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार हुआ (चार्ट 11.4बी)। ईएमई में वर्ष 2019 से इसमें सुधार हो रहा है, हालांकि रूस और

⁴⁰ <https://www.fsb.org/wp-content/uploads/P111022-3.pdf>

⁴¹ <https://www.fsb.org/wp-content/uploads/P111022-4.pdf>

चार्ट II.3: निजी गैर-वित्तीय क्षेत्र को बैंक ऋण



स्रोत: कुल ऋण सांख्यिकी, बीआईएस।

भारत में अन्य देशों की तुलना में एनपीएल अनुपात अधिक बना हुआ है (चार्ट II.4सी)।

प्रावधान कवरेज अनुपात

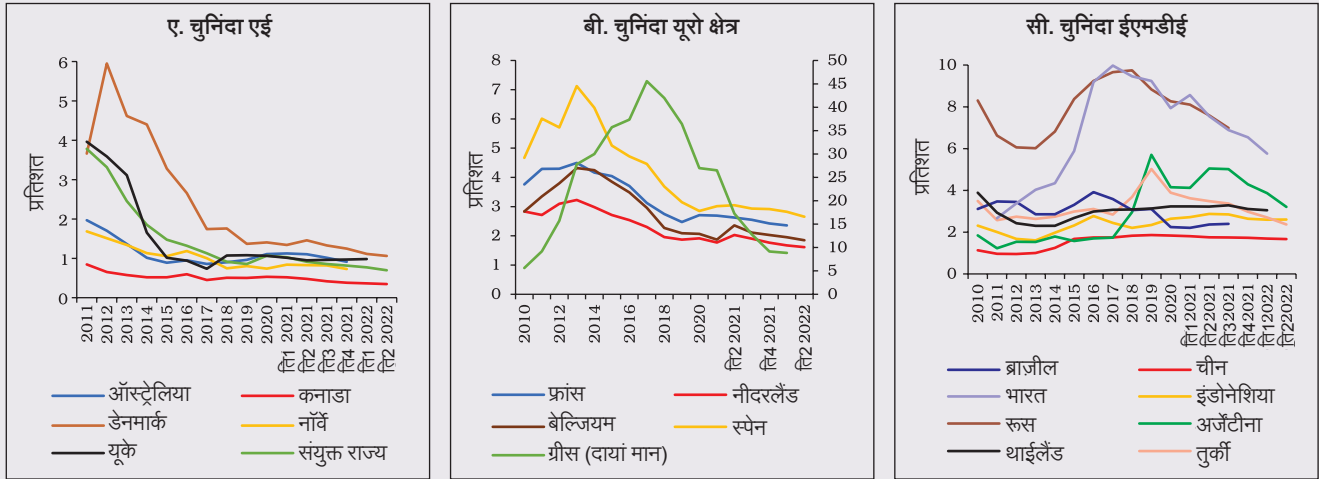
II.40 यूएसए और नॉर्वे जैसी कुछ एई में प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) उच्च बना रहा है, जो बैंकिंग बही में दबाव के प्रति अधिक सुदृढ़ता दर्शाता है (चार्ट II.5ए)। हालांकि ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और ब्रिटेन जैसी अन्य अर्थव्यवस्थाओं में यह अनुपात 15 प्रतिशत से 35 प्रतिशत के बीच निम्न रहा है। वर्ष 2021 में यूरो क्षेत्र के कुछ देशों में पीसीआर में थोड़ी कमी

आई (चार्ट II.5बी)। ईएमडीई के लिए, ब्राजील और अर्जेंटीना में गिरावट को छोड़कर पीसीआर स्थिर रहा, लेकिन यह 100 प्रतिशत से काफी अधिक रहा (चार्ट II.5सी)।

बैंक लाभप्रदता

II.41 निम्नतर ब्याज दरों के बावजूद, अधिकांश उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के लिए कुल आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए) के संदर्भ में मापी गई बैंक लाभप्रदता में सुधार जारी रहा। हालांकि, संयुक्त राज्य अमेरिका और डेनमार्क में ऋण हानि के उच्च प्रावधान के कारण लाभप्रदता में गिरावट आई (चार्ट

चार्ट II.4: आस्ति गुणवत्ता
(कुल सकल ऋण के प्रतिशत के रूप में एनपीएल)

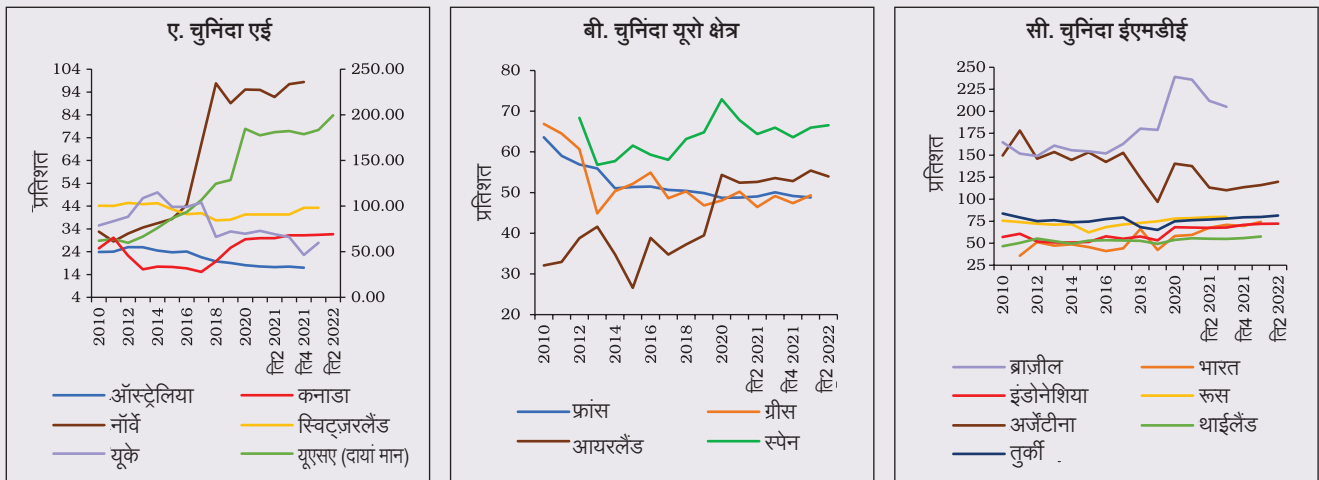


II.6ए) स्पेन को छोड़कर यूरो क्षेत्र में आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए) बढ़ा। यद्यपि ग्रीस के लिए लाभप्रदता ऋणात्मक रही थी, इसमें वर्ष 2021 की दूसरी तिमाही से सुधार हुआ (चार्ट II.6बी)। ईएमडीई में अनर्जक ऋणों के लिए निम्नतर प्रावधानीकरण अपेक्षाओं के कारण आरओए मजबूत बना रहा (चार्ट II.6सी)।

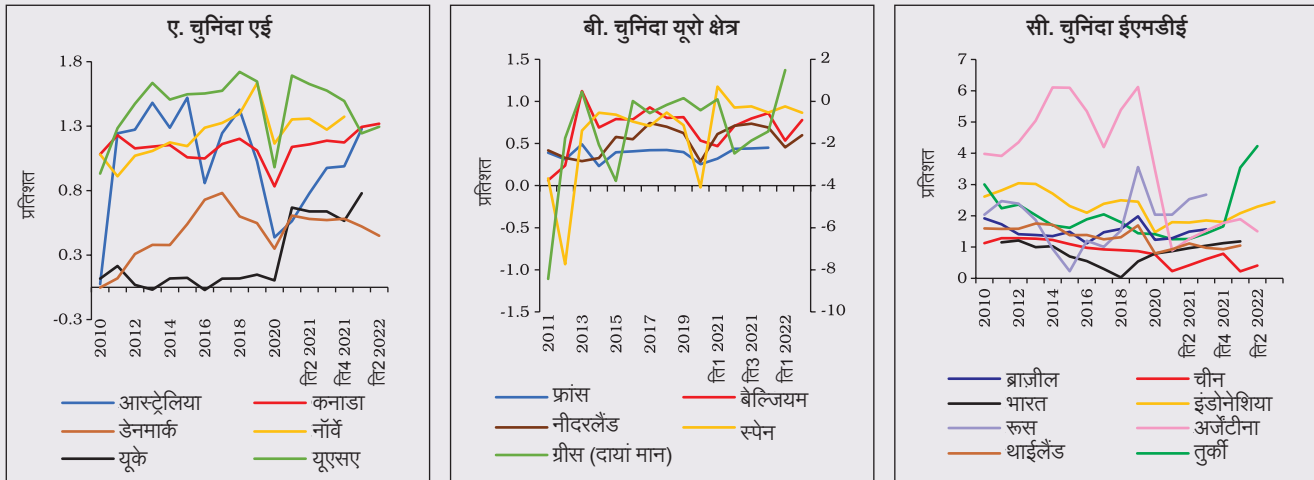
पूँजी पर्याप्तता

II.42 बैंकों का जोखिम भारत आस्तियों की तुलना में पूँजी अनुपात (सीआरएआर), क्षेत्राधिकारों में बासेल III के निर्धारित स्तरों से काफी अधिक रहा, हालांकि हाल की तिमाहियों में डेनमार्क और यूएस जैसी एई में सामान्य गिरावट देखी गई है। यूरो क्षेत्र के देशों और ईएमडीई में पूँजी की स्थिति या तो स्थिर

चार्ट II.5: प्रावधान कवरेज अनुपात
(कुल सकल ऋण के प्रतिशत के रूप में एनपीएल प्रावधान)



चार्ट II.6: आस्तियों पर प्रतिलाभ



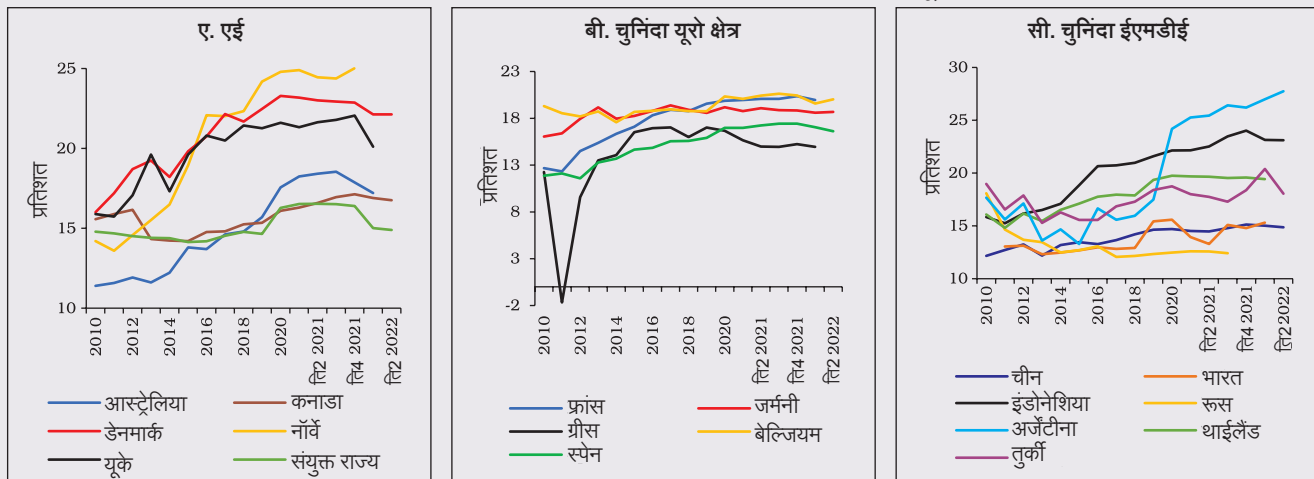
रही या उसमें सुधार हुआ (चार्ट II.7)।

लीवरेज अनुपात

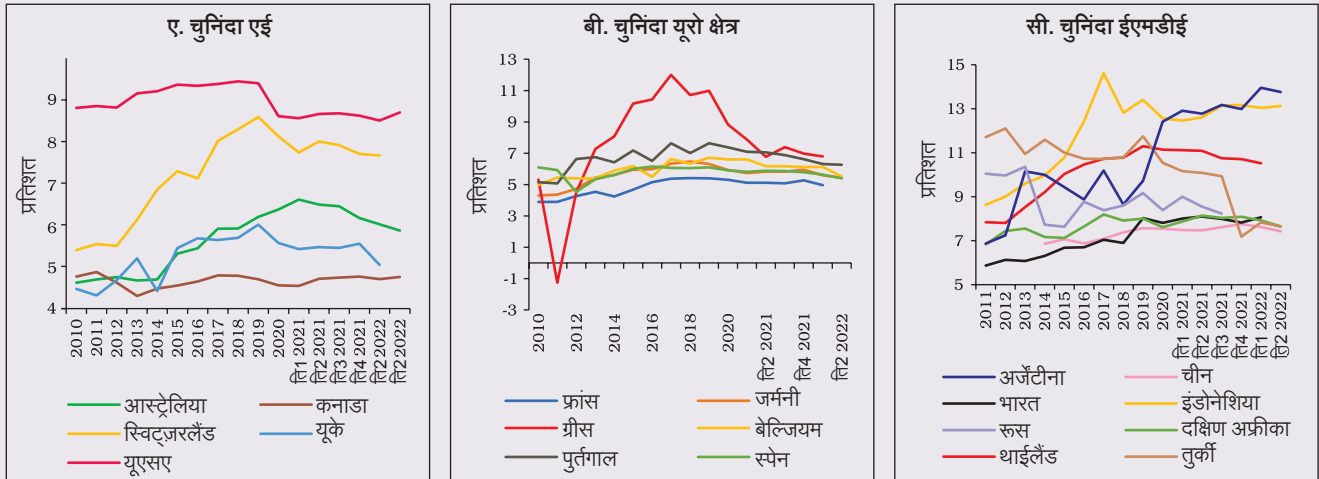
II.43 लीवरेज अनुपात, यानी कुल आस्तियों के अनुपात में विनियामकीय टीयर-1 पूंजी, बासेल III मानदंडों के तहत न्यूनतम 3 प्रतिशत से काफी अधिक रहा। आई में, संयुक्त राज्य अमेरिका, स्विट्जरलैंड और ऑस्ट्रेलिया ने निर्धारित स्तरों के

दोगुने से अधिक का लीवरेज अनुपात बनाए रखा, हालांकि हाल की तिमाहियों में सामान्य गिरावट देखी गई थी। उच्च लीवरेज अनुपात बनाए रखने में यूरो क्षेत्र के बैंकों में जर्मनी, फ्रांस और पुर्तगाल अगुवा हैं। ईएमडीई में, भारत और तुर्की ने वर्ष 2018 के बाद से अपने लीवरेज अनुपात में काफी सुधार किया है, जो पूंजीगत बफर की मजबूती का संकेत देता है (चार्ट II.8)।

चार्ट II.7: जोखिम-भारित आस्तियों के लिए विनियामकीय पूंजी



चार्ट II.8: लीवरेज अनुपात
(कुल आस्तियों के प्रतिशत के रूप में विनियामकीय टीयर - I पूंजी)



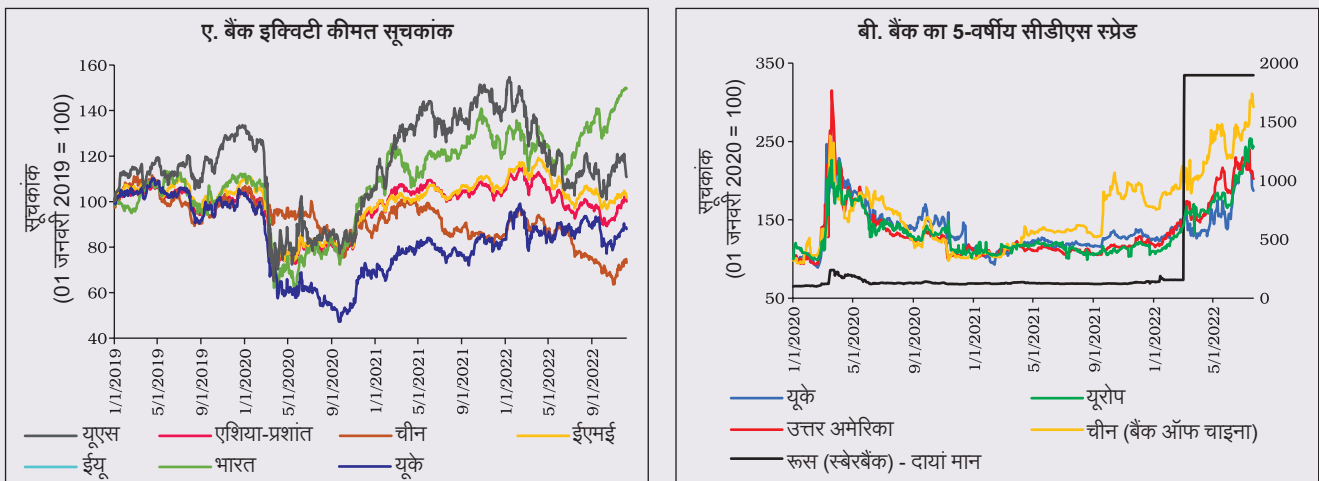
वित्तीय बाजार संकेतक

II.44 वर्ष 2020 में वैश्विक स्तर पर बैंकिंग शेयरों में तेजी से गिरावट आई, लेकिन 2021 के दौरान केंद्रीय बैंकों द्वारा चलनिधि लगाने, आर्थिक गतिविधियों के कार्यापलट और धनात्मक वृद्धि दृष्टिकोण के माध्यम से सुधार हुआ। मार्च 2022 की शुरुआत में यूरोप में युद्ध से अनिश्चितता की नई स्थिति उत्पन्न होने से स्थिति उलट गई। तब से भारतीय बैंकों की इक्विटी कीमतों में

सुधार हुआ है, जो मुख्य रूप से पूंजी की उनकी मजबूत स्थिति तथा लाभप्रदता और आस्ति की गुणवत्ता में सुधार को दर्शाता है। हाल के महीनों में अन्य आई और ईएमई में इक्विटी की कीमतों में भी सुधार हुआ है, लेकिन वे अभी भी पिछले चरम स्तर से नीचे ट्रेडिंग कर रहे हैं (चार्ट II.9ए)।

II.45 मार्च 2020 में अपने शीर्ष स्तर से गिरने के बाद, वर्ष 2022 की शुरुआत से बैंकों के ऋण चूक स्वैप (सीडीएस) स्प्रेड

चार्ट II.9: बैंक की सेहत के बाजार-आधारित संकेतक



में काफी वृद्धि हुई है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद वैश्विक प्रतिबंधों और रेटिंग में गिरावट के कारण रूस में सीडीएस स्प्रेड में नाटकीय वृद्धि हुई है। अन्य बाजारों में बैंकों के सीडीएस विस्तार ने भी इसका अनुसरण किया; हालांकि, हाल के महीनों में स्प्रेड में कमी आई है (चार्ट II.9 बी)।

5. विश्व के सबसे बड़े बैंक

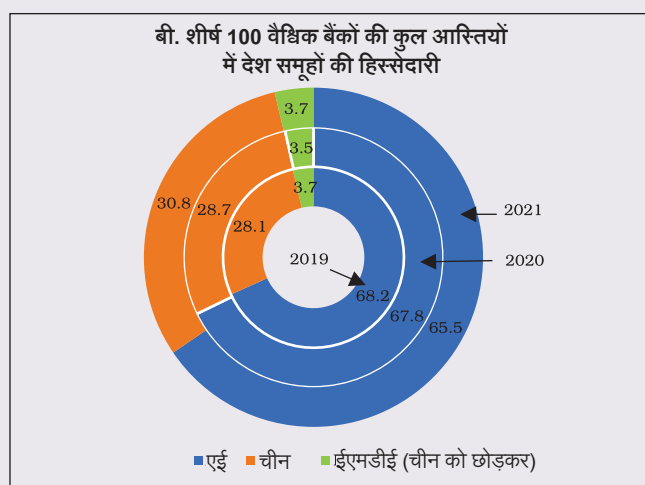
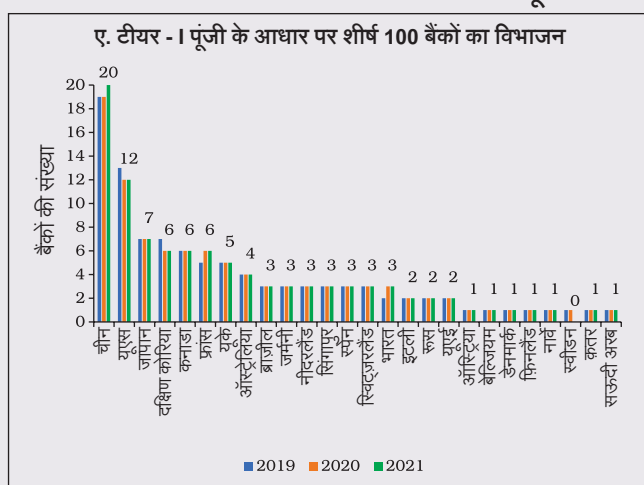
II.46 टीयर-1 पूंजी के आधार पर शीर्ष 100 बैंकों का देश-वार वितरण, वर्ष 2021 में काफी सीमा तक एक वर्ष पहले के समान रहा⁴² (चार्ट II.10ए)। इसके अलावा, अन्य बैंकों की तुलना में सूची में शामिल चीन के 20 बैंकों में से 18 बैंकों की रैंकिंग में टीयर-1 के उच्चतर पूंजी संचयन के कारण सुधार हुआ है। परिणामस्वरूप, चीन स्थित बैंकों द्वारा धारित कुल आस्तियों का हिस्सा 2021 में वर्ष-दर-वर्ष बढ़ता गया जबकि इसी अवधि के दौरान आई में बैंकों की हिस्सेदारी घट गई (चार्ट II.10बी)।

II.47 आस्ति गुणवत्ता के संदर्भ में, शीर्ष 100 बैंकों के अनर्जक ऋणों (एनपीएल) में चीन के बैंकों की हिस्सेदारी वर्ष 2021 में बढ़ गई, जबकि आई के बैंकों की हिस्सेदारी में गिरावट आई (चार्ट II.11ए)। हालांकि, सूची में शामिल सभी चीन के बैंकों

के लिए प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) 100 प्रतिशत से अधिक था, जो संकट के मामले में हानि अवशोषण की उच्च क्षमता का संकेत देता है। इसके विपरीत, आई और ईएमडीई (चीन को छोड़कर) में लगभग आधे बैंकों के पीसीआर 100 प्रतिशत से अधिक थे (चार्ट II.11बी)।

II.48 वर्ष 2021 में बैंकों ने अपनी पूंजी को सुदृढ़ किया, सभी बैंकों ने जोखिम भारित आस्तियों की तुलना में पूंजी अनुपात (सीआरएआर) को 12 प्रतिशत से अधिक और 64 बैंकों के सीआरएआर को 16 प्रतिशत से अधिक बनाए रखा (चार्ट II.12ए)। लीवरेज अनुपात (आस्ति-पूंजी अनुपात) के अनुसार बैंकों का विभाजन वर्ष 2021 में भी वर्ष 2020 की तरह ही बना रहा और केवल दो यूरोपीय बैंकों का लीवरेज अनुपात 3 प्रतिशत या उससे कम था। 64 बैंकों का लीवरेज अनुपात 6 प्रतिशत से अधिक था, जो उनकी पर्याप्त पूंजी स्थिति का सूचक है (चार्ट II.12बी)। बैंकों की लाभप्रदता में सुधार हुआ, पिछले वर्ष की तुलना में अधिक संख्या में बैंकों ने 1 से 2 प्रतिशत और 3 प्रतिशत से अधिक की विस्तार सीमा में आरओए दर्ज किया (चार्ट II.12सी)।

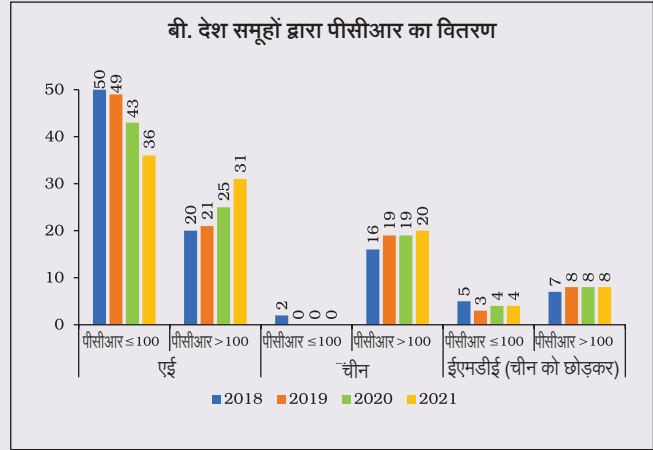
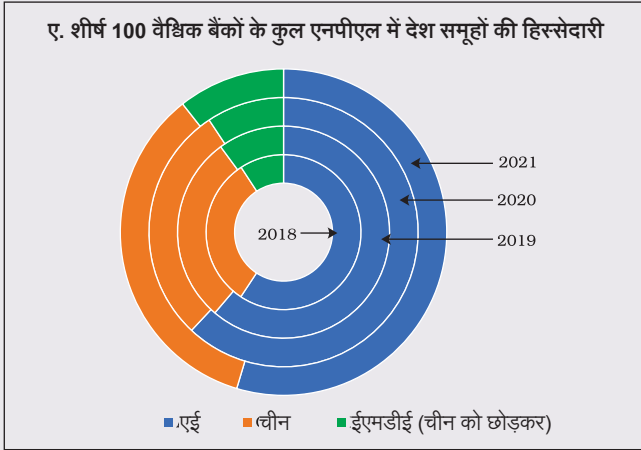
चार्ट II.10: टीयर - I पूंजी के आधार पर शीर्ष 100 बैंकों का विभाजन



स्रोत: बैंकर्स डेटाबेस, फ्राइनेशियल टाइम्स।

⁴² एकमात्र परिवर्तन यह था कि एक चीनी बैंक को सूची में जोड़ा गया और एक स्वीडिश बैंक को हटा दिया गया।

चार्ट II.11: शीर्ष 100 बैंकों की आस्ति गुणवत्ता



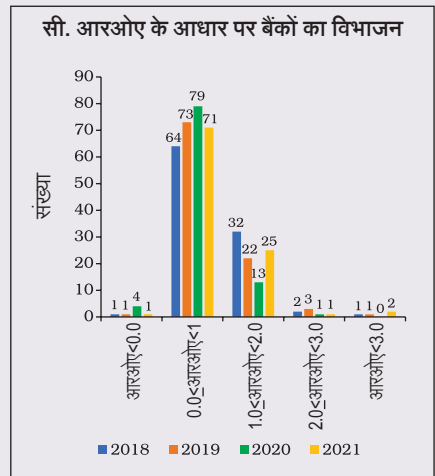
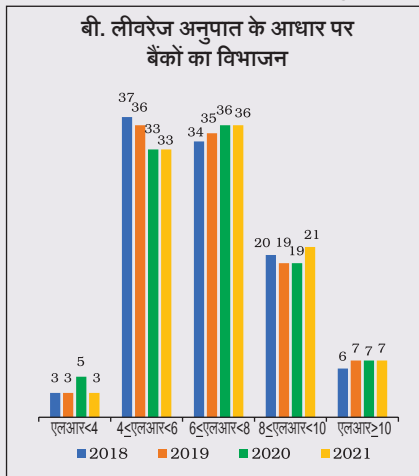
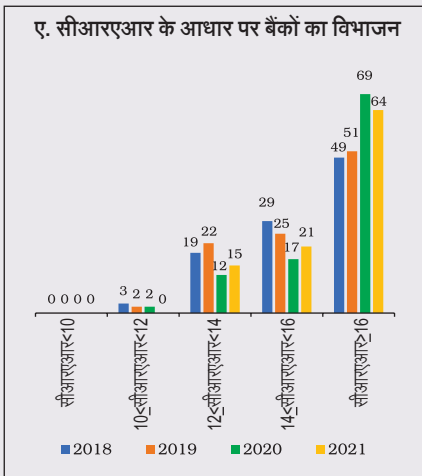
टिप्पणी: कुछ लुप्त मान के कारण बैंकों के आंकड़ों का जोड़ 100 से भिन्न हो सकता है।
 स्रोत: बैंकर डेटाबेस, फाइनेंशियल टाइम्स।

6. निष्कर्ष

II.49 वर्ष 2022 में वैश्विक वृद्धि कम होने से और 2023 में मंदी की बढ़ती संभावनाओं के साथ, प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में ऋण वृद्धि चक्रीय रूप से कम हो सकती है, जिसके परिणामस्वरूप बैंक की लाभप्रदता कम हो सकती है। आगे चलकर, जहां बैंकों ने उच्च पूंजी बफर और बेहतर आस्ति गुणवत्ता से महामारी का सामना किया, वहीं वे अत्यधिक अनिश्चित परिदृश्य का सामना

कर रहे हैं, जिसमें भू-राजनीतिक तनाव, सख्त मौद्रिक और चलनिधि की स्थिति और लाभप्रदता एवं आस्ति गुणवत्ता पर संभावित प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। इसके अलावा, नवोन्मेषों के एक नए दौर और जलवायु परिवर्तन जोखिमों के बीच वित्तीय प्रणाली में प्रौद्योगिकी को व्यापक रूप से अपनाने से वित्तीय स्थिरता के लिए नई चुनौतियां पैदा कर रही हैं, जिसके लिए जोखिम कम करने वाले विनियामकीय और पर्यवेक्षी कार्यों की आवश्यकता होगी।

चार्ट II.12: शीर्ष 100 बैंकों की सुदृढ़ता



स्रोत: बैंकर डेटाबेस, फाइनेंशियल टाइम्स।